

Bangladesh Form No. 3701

**HIGH COURT FORM NO.J (2 )**

**HEADING OF JUDGMENT IN ORIGINAL SUIT/CASE**

**District-** চট্টগ্রাম।

In the court of সিনিয়র সহকারী জজ, ২য় আদালত, পটিয়া, চট্টগ্রাম।

Present: জনাব মোঃ হাসান জামান, সিনিয়র সহকারী জজ

বুধবার the ০৬ day of এপ্রিল, ২০২২

**Other Suit No.** ২৯ / ২০০৯

মনির আহমদ গং

Plaintiff (s)/ Petitioner(s)

**-Versus-**

আবদুল ছালাম গং

Defendant (s)/ Opposite Parties

This suit/ case coming on for final hearing on ৩০/১১/২০২১ খ্রিঃ, ২৩/০১/২০২২ খ্রিঃ, ১৪/০২/২০২২ খ্রিঃ, ২৯/০৩/২০২২ খ্রিঃ; ও ৩০/০৩/২০২২ খ্রিঃ।

**In presence of**

জনাব শ্রীনিবাস ভট্টাচার্য্য

Advocate for Plaintiff/ petitioner

জনাব অজিত কুমার দে

Advocate for Defendant/ Opposite party

and having stood for consideration on this day, the court delivered the following judgment:-

ইহা ঘোষণামূলক ডিক্রির প্রার্থনায় আনীত একটি দেওয়ানী মোকদ্দমা।

১) বাদীপক্ষের মোকদ্দমার বিবরণ সংক্ষেপে এই যে,

আরজি তফসিল বর্ণিত আর এস-৭৬৭ নং খতিয়ানভুক্ত ৫১ শতক সম্পত্তির মালিক ছিলেন ছবির আলী, ফজর বিবি ও মসরফ আলী। উক্ত খতিয়ানে ৩২৩৭ ও ৩২৩৮ দাগে ২৭ শতক ভূমি ফজর বিবির নামে রেকর্ড হয়। ছবির

আলী আর এস ৩২৩৯ দাগে তার হিস্যা অনুযায়ী ৬<sup>৯</sup>/<sub>২৪</sub> শতক ভূমি প্রাপ্ত হয়। ছবির আলীর মৃত্যুতে তাহার অংশ

পৃষ্ঠা নং ১ / ৬

पुत्र आहमद मिया प्राप्त हय। आर एस रेकर्डी फजर विविर मृत्युते ताहार स्वतु १-३३ नं विवादी एवं मसरफ आलीर मृत्युते ताहार स्वतु ३४-३८ नं विवादीगण प्राप्त हय। विगत वि एस जरिप आमले भुलक्रमे वादीगनेर पिता आहमद मियार खुले जनैक आमिन मियार नाम रेकर्ड हय एवं ताहार प्राप्य  $\sqrt{}$  (दुई आना) अंशेर परिवर्ते १०।।// (१० गडा दुई करा दुई कन्ट) अंश लिपि हय। रेकर्ड भुल लिपिबद्ध हওয়াय मूल विवादीगण वादीगनेर स्वतु मालिकाना दावि करिले वादीगण विगत २४/११/२००६ ख्रिः तारिखे तर्कित वि एस खतियानेर सहि मुरफ्री नकल संग्रह करेन एवं वि एस रेकर्ड वादीगनेर पूर्ववर्तीर नामे सठिकभावे रेकर्ड हयनि मर्मे अवगत हन। सर्वशेष ०९/०१/२००९ ख्रिः तारिखे विवादीगण वि एस खतियान विषये नादावि दिते अस्वीकार कराय वादीपक्ष अत्र मामला दायेर करेन।

२) अन्यदिके २१ नं विवादी पक्ष लिखित जवाब दाखिल करे अत्र मोकदमाय प्रतिद्वन्द्विता करेछेन। उक्त विवादीपक्षेर मोकदमार विवरण संक्षेपे এই ये

नालिशी सम्पत्तिर मूल मालिक फजर विवि, छविर आली ओ मसरफ आली। तादेर नाम आर एस ९७९ नं खतियान शुद्धरूपे प्रचारित हय। उक्त आर एस ३२३९ ओ ३२३८ दागेर समुदय भूमि एककभावे फजर विविर नामे लिपिबद्ध हय। आर एस ३२३९ नं दागेर २४ शतक भूमिते फजर विवि तार अंश अनुपाते ८ गडा वा १७ शतके वाड़ि भिट्टिते भोगदखलकार छिलेन। फजर विविर मृत्युते ताहार ताहार त्यज्यविस्त अंशे सर्वमोट ३५ शतक भूमिते ०३ पुत्र मनछफ आली निधान आली ओ इहमत आलीरा मालिक हन। मनछफ आली मरणे पुत्र सोलतान आहमद ओ कन्या गोलमेहार ओयारीश विद्यमान থাকे। आवार सुलतान आहमदेर मृत्युते ०२ पुत्र चान मिया १३ नं विवादी ओ छैयद आहमद ओयारीश हय। आवार गोलमेहार एर मृत्युते पुत्र छविर आहमद ३ नं विवादी ओ ०२ कन्या छमना खतुन ओ आनु बेगम ओयारीश हय। आवार आनु बेगम एर मृत्युते पुत्र जाहाङ्गीर ओयारीश থাকे। विवादीपक्ष अत्र मामला पक्ष दोषे दुष्ट मर्मे दावि करेन। केनना आर एस रेकर्डीय मालिकगनेर सकल ओयारीश ओ जेर ओयारीशदेर वादी पक्ष करेननि। এই विवादी नालिशी भूमिते सुदीर्घ १०० बहरेर बेशी समय धरे नालिशी भूमिते स्वतुवान ओ दखलकार आछेन। वादीर कोन स्वतु- स्वार्थ नेई। विएस खतियान शुद्धभावे प्रचारित हयेछे। उक्त प्रेम्फिते मोकदमा खरचा सह खारिजेर प्रार्थना करेन।

विचार्य विषय समूह :

३) अत्र मोकदमाटि सुष्ठु निम्पत्तिर स्वार्थे आदालत कर्तक निम्नलिखित विषयसमूह विचार्य विषय हिसाबे निर्धारन करा हलो।

- १) अत्र मोकदमा वर्तमान आकारे ओ प्रकारे चलते पारे कि ना?
- २) अत्र मोकदमा दायेरे कारन उडव हयेछे किना ?
- ३) अत्र मोकदमा तामादि द्वारा वारित कि ना?

पृष्ठा नं २ / ७

- ৪) অত্র মোকদ্দমা পক্ষ দোষে দুষ্ট কি না ?
- ৫) নালিশী জমিতে বাদী পক্ষের কোন স্বত্ব স্বার্থ আছে কি না ?
- ৬) তফসিল বর্ণিত নালিশী সম্পত্তি সম্পর্কিত বি এস খতিয়ান ভুল বা অশুদ্ধ কি না ?
- ৭) বাদীপক্ষ প্রার্থীতমতে ডিক্রি পেতে হকদার কি না?

উপস্থাপিত সাক্ষ্য :

৪) মামলা প্রমাণার্থে বাদীপক্ষ ০২ জন সাক্ষীকে পরীক্ষা করেছেন। যথা : মনির আহমদ (P.W.1); জানে আলম (P.W.2) ও আশরাফ আলী (P.W.3)। অন্যদিকে, বিবাদীপক্ষ মোট ০১ জন সাক্ষীকে পরীক্ষা করেছেন। যথা : খলিল আহমদ (D.W.1)।

১ নম্বর বাদী মনির আহমদ (P.W.1) এবং ২১ নম্বর বিবাদী খলিল আহমদ (D.W.1) জবানবন্দি প্রদান করত যথাক্রমে আরজী ও লিখিত জবাবে উল্লিখিত বক্তব্যকে পরস্পর সমর্থন করেছেন।

সাক্ষ্যগ্রহণ কালে বাদীপক্ষে নিম্নবর্ণিত দলিলাদি প্রদর্শনী হিসাবে চিহ্নিত করা হয়।

১। কোলাগাঁও মৌজার আর এস ৭৬৭ নং খতিয়ান	প্রদর্শনী ১
২। কোলাগাঁও মৌজার বি এস ১১৯৮ নং খতিয়ান	প্রদর্শনী ২
৩। নামজারি ২২৪০ নং খতিয়ান এর মূল কপি	প্রদর্শনী ৩

অপরদিকে বিবাদীপক্ষ তাহার পক্ষে কোন দলিল দাখিল করেন নি।

আলোচনা ও সিদ্ধান্ত :

৫) বিচার্য বিষয় নম্বর ১, ২ ও ৩ :

“ অত্র মোকদ্দমা বর্তমান আকারে ও প্রকারে চলতে পারে কি না ?”

“ অত্র মোকদ্দমা দায়েরে কারন উদ্ভব হয়েছে কিনা ?”

“ অত্র মোকদ্দমা তামাদিদোষগত কারণে বারিত কি না ?”

উপরিলিখিত বিচার্য বিষয়ত্রয় পরস্পর সম্পর্কযুক্ত বিধায় আলোচনা ও সিদ্ধান্ত গ্রহণের সুবিধার্থে একত্রে নেওয়া হলো।

आरजि, जबाब ओ नथिते सन्निवेशित साम्प्रमान पर्यालोचनाय प्रतीयमान हयेछे ये अत्र मामलाति सम्पूर्ण देओयानी प्रकृतिर एबं अत्रादालतेर मोकदमाति विचारे कोन धरनेर प्रतिबन्कता नेई। उक्त प्रेम्किते मोकदमाति वर्तमान आकारे ओ प्रकारे रक्कनीय मर्मे विवेचना करि।

बादीपक्षेर दाखिली आरजि बज्ब्य हते मोकदमा दायेरेर यथेष्ट कारन प्रकाश पेयेछे। बादीपक्षेर दाबिमते, नालिशी सम्पत्तिर आर एस रेकर्डीय मालिक छिलेन बादीर पितामह हबिर आली। आर एस ९७९ खतियाने हबिर आली  $\sqrt{}$  (दुई आना) अंशे आर एस ३२३९ दागे ७ $\frac{९}{२४}$  शतक भूमि प्राप्त हय। हबिर आलीर मृत्युते उक्त सम्पत्ति पुत्र आहमद मिया प्राप्त हय। सर्वशेष वि एस खतियाने भुलभावे बादीगनेर पिता आहमद मियार झुले जनैक आमिन मियार नाम लिपिबद्ध हय एबं ताहार प्राप्य  $\sqrt{}$  (दुई आना) अंशे परिबर्ते १०।।।। (१० गडा दुई करा दुई कन्ट) अंश लिपि हय। भुल रेकर्डेर कारने विवादीगण बादीगनेर स्वते मालिकाना दाबि करिले बादीगण सर्वप्रथम २४/११/२००७ ख्रिः तारिखे वि एस खतियानेर सहि मुरुरी नकल संग्रह करेन एबं उक्त विषये मर्मे अवगत हन। सर्वशेष ०९/०१/२००९ ख्रिः तारिखे विवादीगण वि एस खतियान विषये नादाबि दिते अस्वीकार करेन। विगत ०९/०१/२००९ ईं तारिखे अत्र मामलार कारन उड्डव हय एबं १५/०२/२००९ ईं तारिखे मोकदमाति रुजू हय या विधिबद्ध तामादि समयसीमार मध्येई हयेछे मर्मे प्रतीयमान हय। सुतरां अत्र मामलाति वर्तमान आकारे ओ प्रकारे रक्कनीय; तामादि द्वारा वारित नय एबं मोकदमा रुजूर यथेष्ट कारन विद्यमान रयेछे। उक्त प्रेम्कित वर्णित इसुद्रेय बादीपक्षेर अनुकूले निष्पत्ति करा हलो।

७) विचार्य विषय नम्बर ४ :

“ अत्र मोकदमा पक्ष दोषे दुष्ट कि ना ? ”

आरजि, लिखित जबाब, समस्त साम्प्र मान ओ नथि पर्यालोचनाय एमन किछु पेलाम ना या द्वारा मामलाति पक्षदोषे दुष्ट मर्मे सिद्धान्ते पौछानो यय। ताछाड़ा युक्तिर्क उपस्थापनकाले विवादीपक्ष एई विषयेर उपर कोन आपत्ति उथापन करेन नि। सुतरां अत्र विचार्य विषय ओ बादीपक्षेर अनुकूले निष्पत्ति करा हलो।

९) विचार्य विषय नम्बर ५ ओ ७ :

“ नालिशी जमिने बादी पक्षेर कोन स्वतु स्वार्थ आछे कि ना ? ”

“ तफसिल वर्णित नालिशी सम्पत्ति सम्पर्कित वि एस खतियान भुल वा अशुद्ध कि ना ? ”

परस्पर सम्पर्कयुक्त विधाय आलोचना ओ सिद्धान्त ग्रहनेर सुविदारथे उपरोक्त विचार्य विषयद्वय एकत्रे ग्रहन करा हलो।

बादीपक्ष कर्तृक दाखिली प्रदर्शनी- १ पर्यालोचनाय देखा यय, आर एस ९७९ खतियाने मोट ५१ शतक भूमि मालिक छिलेन ०३ जन यथा- फजर विवि, हबिर आली ओ मसरफ आली। उक्त खतियाने ०३ दागेर मध्ये आर एस

३२३७ ও ३২৩৮ দাগভূমি এককভাবে ফজর বিরি নামে রেকর্ড হয়। ছবির আলী তার  $\sqrt{}$  (দুই আনা) অংশে আর এস ৩২৩৯ দাগে  $\frac{৯}{২৪}$  শতক ভূমি প্রাপ্ত হয়। উভয়পক্ষ কর্তৃক স্বীকৃত যে ছবির আলীর মৃত্যুতে উক্ত সম্পত্তি পুত্র আহমদ মিয়া প্রাপ্ত হয়। বাদীপক্ষ দাবি করেছেন যে আহমদ মিয়ার ওয়ারীশ সূত্রে তারা নালিশী সম্পত্তি প্রাপ্ত হয় ও ভোগদখলে আছেন। বাদীপক্ষের সাক্ষী P.W.1 আরজি সমর্থনে জবানবন্দি প্রদান পূর্বক বলেছেন যে তারা নালিশী আর এস ৩২৩৯ দাগে ০২ আনা অংশ হিসাবে  $\frac{৯}{২৪}$  শতাংশে মালিক দখলকার আছেন। আর এস ৩২৩৭ ও ৩২৩৮ দাগের তাদের কোন দাবি নেই। বাদীপক্ষের দখলী সাক্ষী P.W.2 ও P.W.3 দাবিকৃত দাগে বাদীপক্ষের দখলে থাকার বিষয়টি নিশ্চিত করেন। বাদীপক্ষ কর্তৃক দাখিলীয় বি এস- ১১৯৮ নং খতিয়ান প্রদর্শনী- ১(ক) পর্যালোচনায় দেখা যায়, নালিশী আর এস ৩২৩৯ নং দাগ বি এস খতিয়ানে ৬৩৫৪ নং দাগ হয়। প্রদর্শনী- ১(খ), ২২৪০ নং জমা খারিজ খতিয়ান প্রকাশ মতে, নালিশী সম্পত্তিতে বাদীপক্ষের দখল বিষয়ে ইতিবাচক ধারণা আসে। এদিকে বিবাদীপক্ষের সাক্ষ্য পর্যালোচনায় দেখা যায়, ২১ নং বিবাদী D.W.1 জেরাতে স্বীকার করেছেন যে বাদীগণ আর এস রেকর্ডীয় প্রজা ছাবের আলীর ওয়ারীশ। ছাবের আলীর ০২ আনা স্বত্বে তাহার কোন দাবি নেই। ছাবের আলীর পুত্র আহমদ মিয়ার ছেলে বাদীরা ০২ আনা অংশে দখলে আছে। D.W.1 সাক্ষ্য বিশ্লেষণে প্রতীয়মান হয় যে নালিশী সম্পত্তিতে বাদীপক্ষ ভোগদখলে আছেন। সার্বিক পর্যালোচনায় নালিশী সম্পত্তিতে বাদীপক্ষের স্বত্ব স্বার্থ আছে মর্মে সিদ্ধান্ত গ্রহণ করা হলো।

৮) উপরিউক্ত আলোচনা হতে ইহা পরিষ্কার যে, আর এস ৭৬৭ খতিয়ানে ৫১ শতক ভূমিতে বাদীপক্ষের পূর্ববর্তী ছাবের আলী ০২ আনা অংশে ৩২৩৯ দাগে বাড়ি রকম ভূমিতে  $\frac{৯}{২৪}$  শতাংশের মালিক ছিলেন। বর্তমানে উক্ত সম্পত্তিতে আর এস রেকর্ডীয় ওয়ারীশ হিসাবে বাদীপক্ষের স্বত্ব ও দখল রয়েছে। বাদীপক্ষ কর্তৃক দাখিলীয় বি এস- ১১৯৮ নং খতিয়ান প্রদর্শনী- ১(ক) পর্যালোচনায় দেখা যায়, নালিশী সম্পত্তি সম্পর্কিত আর এস ৩২৩৯ দাগ সর্বশেষ বি এস খতিয়ানে ৬৩৫৪ নং দাগ হয়েছে। কিন্তু বি এস খতিয়ানে মালিকের কলামে জনৈক আমিন মিয়া পিং- ছবির আলী এর নাম লিপিবদ্ধ হয়েছে এবং অংশের কলামে  $\sqrt{}$  (দুই আনা) অংশের পরিবর্তে ১০।।// (১০ গন্ডা দুই করা দুই কন্ট) অংশ লিপি হয়েছে। প্রকৃতপক্ষে মালিকের কলামে আমিন মিয়ার স্থলে বাদীর পিতা আহমদ মিয়ার নাম এবং অংশের কলামে  $\sqrt{}$  (দুই আনা) অংশ রেকর্ড হওয়া উচিত ছিল। সার্বিক বিবেচনায়, ইহা দিনের আলোর মতো পরিষ্কার যে, নালিশী সম্পত্তি সম্পর্কিত বি এস খতিয়ান রেকর্ড ভুল ও অশুদ্ধ হয়েছে। সুতরাং বিচার্য বিষয় নম্বর ৫ ও ৬ বাদীপক্ষের অনুকূলে নিষ্পত্তি করা হলো।

৯) বিচার্য বিষয় নম্বর ৭ :

“বাদীপক্ষ প্রার্থীতমতে ডিক্রি পেতে হকদার কি না ?”

পৃষ্ঠা নং ৫ / ৬

বাদীপক্ষের আরজি , লিখিত জবাব, মৌখিক সাক্ষ্য ও দালিলিক প্রমানাদি ও বিজ্ঞ কৌশলীদের বক্তব্য ইত্যাদি সার্বিক পর্যালোচনায় আমার বলতে দ্বিধা নেই যে , বাদীপক্ষ তার মামলা প্রমান করতে সমর্থ হয়েছে। যেহেতু সকল বিচার্য বিষয় বাদীপক্ষের অনুকূলে নিষ্পত্তি করা হয়েছে সুতরাং বাদীপক্ষ তার প্রার্থিত ডিক্রী পাবার হকদার।

প্রদত্ত কোর্ট ফি সঠিক।

অতএব,

আদেশ হয় যে,

ঘোষনামূলক ডিক্রীর প্রার্থনায় আনীত অত্র মোকদ্দমা ২১ নং বিবাদীপক্ষের বিরুদ্ধে দো-তরফাসূত্রে এবং অপরাপর বিবাদীগণের বিরুদ্ধে একতরফাসূত্রে ডিক্রি প্রদান করা হলো।

এই মর্মে ঘোষনা করা যাচ্ছে, নালিশী তফসিল বর্ণিত ভূমিতে বাদীগণের উত্তম ও অপরাজেয় স্বত্ব রহিয়াছে এবং উক্ত ভূমি সংশ্লিষ্ট বি.এস ১১৯৮ নং খতিয়ানে বাদীগণের পিতা আহমদ মিয়ার স্থলে আমিন মিয়া নাম এবং তাহার প্রাপ্য  $\sqrt{}$  (দুই আনা) অংশের স্থলে ১০।।// (১০ গড়া দুই করা দুই কন্ট) অংশ ভুল ও অশুদ্ধভাবে লিপিবদ্ধ হইয়াছে যাহা যথারীতি বে-আইনী ও অকার্যকর এবং উহা বাদীগণের উপর বাধ্যকর নয়।

আমার স্বহস্তে টাইপকৃত ও সংশোধিত

মোঃ হাসান জামান  
সিনিয়র সহকারী জজ  
সিনিয়র সহকারী জজ, ২য় আদালত,  
পটিয়া , চট্টগ্রাম।

মোঃ হাসান জামান  
সিনিয়র সহকারী জজ  
সিনিয়র সহকারী জজ, ২য় আদালত,  
পটিয়া , চট্টগ্রাম।